

as Chairman, Hindustan Aeronautics Limited. He was allowed to retain his former residence at 1, Motilal Nehru Marg on payment of rent under F.R-45-A, which he vacated on 11th May, 1967. The furniture supplied by the Government was also charged for according to the normal rates. In view of the two assignments held by him, he has been provided with a Private Secretary, telephone and use of staff car.

(c) and (d). In his capacity as Chairman, One-man Committee on Insurance, he was deputed to United States of America and United Kingdom to make a study of Insurance Practices in those countries for a total period of 4 weeks on Government expenses.

Fire in Barauni Oil Refinery

8663. Shri S. S. Kothari: Will the Minister of Petroleum and Chemicals be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a fire in the Barauni Oil Refinery occurred last year and this year also;

(b) if so, the causes of the fire and whether any sabotage is suspected; and

(c) the losses sustained and whether the full amount will be recovered from insurance?

The Minister of State in the Ministry of Petroleum and Chemicals and of Planning and Social Welfare (Shri Raghunath Ramasiah): (a) Two fires occurred in the Barauni Refinery Coking Unit in 1966 and one this year.

(b) These fires were accidental and not due to any sabotage.

(c) The total losses amounted to Rs. 77,619.25P during 1966 and to Rs. 25,122.30P this year. The loss in 1966 has been fully recovered from insurance; the assessment of loss due to the fire in 1967 has been completed and a claim will be made from the insurance company shortly.

रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया की पटना शाखा का विस्तार

8664. श्री राजाबख्श आरखी :
श्री क० वि० मधुकर :

क्या वित्त मंत्री यह बताने को कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि निकट भविष्य में रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया की पटना शाखा का विस्तार करने का प्रस्ताव है;

(ख) यदि हां, तो क्या यह विस्तार अन्य शाखाओं से कर्मचारियों के स्थानान्तरण द्वारा किया जायेगा अथवा स्थानीय लोगों की भर्तों द्वारा;

(ग) यदि पटना में कर्मचारियों का स्थानांतरण किया जाना है तो स्थानीय लोगों को उपेक्षा के क्या कारण हैं जबकि पहले सरकार ने आश्वासन दिया था कि स्थानीय लोगों को प्राथमिकता दी जायेगी; और

(घ) सरकार इस बात के लिये क्या कार्यवाही कर रही है कि स्थानीय लोगों को अधिक संख्या में नौकरो पर लगाया जाय ?

उप-प्रधान मंत्री तथा वित्त मंत्री (श्री मोरारजी देसाई) : (क) जो हां।

(ख) जिन चार नये विभागों के छोले जाने का प्रस्ताव है उनमें कुछ किस्मों के पदों पर नियुक्ति करने के लिये राज्य के बाहर से कम से कम संख्या में कर्मचारियों को बदली करने का, रिजर्व बैंक का विचार है।

(ग) इन चार नये विभागों के काम के लिये, ऐसे अनुभवों व्यक्तियों की सेवाओं को आवश्यकता है जो लम्बे अरसे से यह काम कर रहे हों। इन विभागों का सारा काम नये भरतों किये गये स्थानीय लोगों द्वारा या उन स्थानीय कर्मचारियों द्वारा नहीं संभाला जा सकता, जिन्हें इन नये विभागों में किये जाने वाले काम का अनुभव नहीं है।